

न्यूज ब्रीफ

दुर्वासा आश्रम के लिए
एक करोड़ स्वीकृत

अमृत विचार, लखनऊः प्रदेश सरकार

ने आजमगढ़ रित्युवासा ऋषि आश्रम

के पर्यटन विकास को स्वीकृति दिए

की है। मुख्यमंत्री पर्यटन स्थल विकास की ओर लगभग

एक करोड़ रुपये की धराशाख स्वीकृत

की गई है। पर्यटन एवं संस्कृत मंत्री

जयवीर सिंह ने जारी बयान में बताया

कि दुर्वासा ऋषि आश्रम के आसपास

पर्यटन सुधारित करने के लिए संस्कृत

पर्यटन संस्कृति विकास से

आपनुको तो लिए बहतर सुधारण

उपलब्ध होनी चाहीं। पर्यटकों के लिए न

केवल आस्थापूर्ण वातावरण तैयार

होगा, बल्कि पूर्वावल क्षेत्र में पर्यटन को

भी नया आयाम मिलेगा। उन्होंने बताया

कि एक आम मुख्यालय से 40 किमी

दूर तमसा एवं मनुजन नदी के संगम पर

रित्युवासा 'दुर्वासा' 12 वर्ष की आयु

में विक्रूत से आकर यहाँ कई वर्षों तक

साधना की।

एसजीआईप्रॉपर्टीज

पर एफआईआर दर्ज

अमृत विचार, लखनऊः उपरिय

एसटीविंयाक प्रॉपर्टीज (रोड)।

लि. के वितावक मंडल और खालिका

पुलिस कमिशनरेट गोमतीबुद्धराज में

एफआईआर दर्ज कराई है। कारबाई

रोड मुख्यालय लखनऊ से प्राप्त

अनुमति के अधार पर पार्श्व है।

प्रॉपर्टीकरण को शिकायत मिली की

संबंधित प्रॉपोर्टे ने अपनी परियोजना

एप्ल टावर एस-2 और एस-2 वी

से जुड़े आविष्कारों और वित्ती वैकल्प

साथ्यानों को गुरुराम करने के लिए एक

कथित फर्जी आदेश प्रस्तुत की। यह

एप्ल टावर एस-2 वीर्युवासा दूर्वा

करियर की ओर लिया गया है। यह

प्रॉपोर्टे दर्दावेश पूरी तरह रुदीरित

और अवैध पार गए। प्रॉपर्टीकरण की ओर

प्रॉपर्टीकरण की ओर लिया गया है।

शनिवार, 4 अक्टूबर 2025



विश्वविद्यालय महापुरुषों के निर्माण के कारण होने हैं
और अधिकारी उन्हें बनाने वाले कारिगर।

-रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

आत्मनिरीक्षण की जरूरत

ग्राहीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख का यह कथन कि जेन-जी जैसे हिंसक आंदोलनों की कथित क्रांतियों से बांछित उद्देश्य हासिल नहीं होते, सर्वथा सत्य है। हिंसा के बाद आंदोलनकारी अपने बदलावों के मंसूबों में सफल नहीं हुए, उल्लेख व्यवस्था और जन-धन का भारी तुकसा नहुआ, देश बरसों पीछे चला गया। नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका इसके जीवंत उदाहरण हैं। उनका यह कहना कि देश के भीतर-वाहर ऐसी ताकतें सक्रिय हैं, जो अशांति फैलाना चाहती है। यदि सरकार और प्रशासन सक्षम नहीं होते, तो ये अपनी कारण-जगीर दिखा सकती हैं। यह सरचेत करने वाला और गंभीर चिंतन का विषय है।

वीरे सिंदवर में इंडोरेंस, मेडामास्कर, पेरू, एवं लिंगार्स और नेपाल में युवा आक्रोश की लपेटे देखी जा चुकी हैं। हालिया वरसों में हांगकांग, चिली, नाइजीरिया, स्पॉन्सर और केन्या ने भी युवाओं के हिंसक प्रदर्शनों का सामना किया और अब मोरक्को में यह जारी है। धीरे-धीरे सत्ता की अकर्मण्यता, भेदभाव, अवसरों की कमी और भ्रष्टाचार के विशुद्ध जेन-जी का विद्रोह एक वैशिक चलन बन रहा है, जिसे संवर्धित सरकारों प्रायः बहारी ताकतों की साजिश बताकर टालती रही है। जहां तक भारत का प्रश्न है, सुदूर देशों के ऐसे आंदोलनों की छाया सीधे हम पर भले न पड़े, लेकिन पड़ाइस की घटाघट हमें सचेत करती है। यह केवल सीमा सुरक्षा का नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था और अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक विरास्त का फैला हुआ मुद्दा है। ऐसे में यह सोचना स्वाधारिक है कि बहुतावधि संस्कृति, मजबूत संस्थान ढाँचा और युवाओं के साथ सत्ताधारी दृष्टिकोण से देखना चाहिए ऐसे आंदोलनों की संभावनाओं को किस हद तक प्रभावित करते हैं।

असल में, भारत की विशिष्ट सामाजिक-राजनीतिक संरचना इस अशंका को न्यून करती है। हमारी भाषा, संस्कृति, धर्म और क्षेत्रीय विविधताओं के चलते विरोध की ऊर्जा विकेंद्रीकृत हो जाती है, जिससे देशव्यापी सुसंगठित युवा आंदोलन का राष्ट्रीय ताकत बनन बहुत मुश्किल हो जाता है। भारतीय युवा क्षेत्रीय दलों और मोर्चों से जुँकर अपनी आवाज को स्थानीय स्तर पर व्यक्त करने का पर्याप्त अवसर पाते हैं। ग्राहीय स्तर पर व्यापक युवा विद्रोह के लिए समय, समन्वय और ठोस नेतृत्व की आवश्यकता होगी, जो वर्तमान परिदृश्य में कठिन है। इसके अतिरिक्त, भारत में विधानसभा, पंचायत, मीडिया और न्यायपालिका जैसे मजबूत संस्थान भारी तरह राजनीति को फैलाएं रखते हैं, जिनके जरिए युवा आरोग्य के लिए एक अपानी शिकायत दर्ज कर बदलाव की मांग कर बनकर सकते हैं। इसके अलावा सामाजिक नियंत्रण के कई तंत्र भी व्यवस्था को विश्व बनाए रखते हैं। दूसरी ओर विपक्षी दलों में युवाओं को संगठित करने और उनकी चिंताओं को ग्राहीय आंदोलन का रूप देने की ठोस रणनीति का आधार है। स्वयं असंगठित विपक्ष का युवा आंदोलन को प्रति संवेदनशील बनी रहे।

प्रसंगवाद

एशिया के सबसे बड़े हाईकोर्ट को मिला नया संबल

एशिया का सबसे बड़ा इलाहाबाद हाईकोर्ट बीते वर्षों से न्यायाधीशों की कमी और मुकदमों के बढ़ते बोझ से कराह रहा था। न्यायाधीशों के 160 स्वीकृत पदों के बाबजूद यहां कभी पूरी संख्या में न्यायाधीश नहीं रहे। परिणाम यह हुआ कि न्याय के इंतजार में वादकारी और अधिवक्ता लगातार हातांहते रहे और लवित मुकदमों की फेरिस्त लगातार लंबी होती रही। स्थिति की अंभीरता का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि प्रधान पीठ इलाहाबाद में ही वर्तमान समय में 9,75,170 मुकदमे लंबित हैं, जिनमें सिविल के 4,89,275 और 4,85,895 आपाराधिक मामले शामिल हैं।

ऐसी विकासीति में केंद्र सरकार द्वारा 24 नए न्यायाधीशों की नियुक्ति निश्चित रूप से एक ऐतिहासिक और दूरगामी कदम है। गत 27 सितंबर को केंद्र सरकार की संस्तुति के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट के इतिहास का सबसे बड़ा शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने सभी नवनियुक्त न्यायाधीशों को शपथ दिलाई, जिनमें दस अधिवक्ता विवेक सन्, विवेक कुमार सिंह, गरिमा प्रसाद, सुधोगु चौहान, अवधेश कुमार चौधरी, स्वरूपा चतुर्वेदी, सिद्धार्थ नंदन, कृष्ण रवि सिंह, इंजीनीय शक्ता और सत्य वीर तथा विश्व न्यायिक सेवाओं से आए 14 न्यायिक अधिवक्ताओं में डॉ. अंजय कुमार (द्वितीय), चरन प्रकाश, दिव्येश चंद्र समंत, एवं अंजय कुमार, राजीव चौहान, दिव्येश चंद्र, दिव्येश चंद्र समंत, एवं अंजय कुमार के प्रति संवेदनशील बनी रहे।

एशिया का सबसे बड़ा इलाहाबाद हाईकोर्ट विवेक सन् और दूरगामी कदम है।

गत 27 सितंबर को केंद्र सरकार की संस्तुति के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट के इतिहास का सबसे बड़ा शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने सभी नवनियुक्त न्यायाधीशों को शपथ दिलाई, जिनमें दस अधिवक्ता विवेक सन्, विवेक कुमार सिंह, गरिमा प्रसाद, सुधोगु चौहान, अवधेश कुमार चौधरी, स्वरूपा चतुर्वेदी, सिद्धार्थ नंदन, कृष्ण रवि सिंह, इंजीनीय शक्ता और सत्य वीर तथा विश्व न्यायिक सेवाओं से आए 14 न्यायिक अधिवक्ताओं में डॉ. अंजय कुमार (द्वितीय), चरन प्रकाश, दिव्येश चंद्र समंत, एवं अंजय कुमार, राजीव चौहान, दिव्येश चंद्र, दिव्येश चंद्र समंत, एवं अंजय कुमार के प्रति संवेदनशील बनी रहे।



विश्वविद्यालय महापुरुषों के निर्माण के कारण होने हैं
और अधिकारी उन्हें बनाने वाले कारिगर।

-रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

राष्ट्र चेतना का अवतार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ



यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।

अभ्यन्तनमधर्मस्य तदात्मानं सृजाय्यहम्।।

प्रतिराणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम।

धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे॥

भगवान् श्रीकृष्ण के अजर्जन से कहे गए ये वचन शास्त्र, सानातन और विरासत संस्कृति की जीवनी शक्ति है।

इस जगत में जब-जब धर्म का नाश और भारतीय संस्कृति की वृद्धि होती है, तो स्वयंसेवक संघायां विवरण



स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह अन्य संगठनों की तरह थका नहीं, रुका नहीं, उत्तरा नहीं। अनथक आगे बढ़ रहा है। बल्कि ऐसा विस्तार किया कि आज दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवक संघ बना हुआ है। संघ ने विस्तार और उत्तराधीन विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै विवरण

स्वयंसेवक संघ ने जब सौ साल पूरे किए हैं तो क्या काण है कि यह भारत को सौदै व

मिर्जापुर के अनजाने पर्यटन स्थल एक छुपी हुई विद्यासत

उत्तर प्रदेश का
मिर्जापुर अक्सर
विंध्याचल धाम,
अष्टभुजा माता मंदिर
और चुनारगढ़ किले के
कारण प्रसिद्ध है। यहां
हर साल लाखों श्रद्धालु
और सैलानी पहुंचते हैं।
लेकिन इस धार्मिक और
ऐतिहासिक
पहाचान के पीछे
मिर्जापुर की एक ऐसी
अनकही और अनदेखी
दुनिया भी छ्पी है, जहां
अब भी प्रकृति, इतिहास
और लोकसंस्कृति
अपनी मूल अवस्था में
जीवित है। बहुत कम
लोग इन स्थलों के बारे
में जानते हैं, लेकिन जो
लोग यहां
पहुंचते हैं, वे जीवनभर
की यादें लेकर लौटते
हैं। एक बार इन स्थलों
की यात्रा जरूर करके
देखें।



झरने, गुफाएं और प्राचीन खंडहर आकर्षण का केंद्र

- मिर्जापुर के पकड़ाड़ी क्षेत्रों में कई छोटी-बड़ी गुफाएँ हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। इनमें से कई गुफाओं में शिलालेख, पौराणिक प्रतीक और साधुओं वे रहने के चिह्न आज भी दिखाई देते हैं। स्थानीय मान्यता कि यह गुफाएँ कभी तपस्त्रियों का निवास स्थल रही हों रोमांच और अध्यात्म के मिश्रण की तलाश करने वालों लिए यह गुफाएँ बेहद खास अनुभव प्रदान करती हैं।

काला पहाड़ – रोमांच का केंद्र

- मिर्जापुर का काला पहाड़ नाम की तरह रहस्यमयी है। यह काले पत्थर की ऊंची पहाड़ी है, जहां से पूरे इलाके का शानदार नज़ारा देखा जा सकता है। यहां पहुंचना आसान नहीं है, लेकिन रोमांच प्रेरणाओं के लिए यह ट्रैकिंग का अद्भुत अनुभव है। बहुत कम लोग इस जगह का नाम जानते हैं, लेकिन जो भी यहां आता है, प्रकृति की गोद में बिताए पल उसे अविस्मरणीय लगते हैं।

टंडा फॉल्स

- शहर की हल्लत से दूर स्थित टंडा फॉल्स को मिनी नियांग्रा भी कहा जाता है। यहां का पानी कई धाराओं में बंटकर नीचे प्रिराता है, जिससे एक अनोखा दृश्य बनता है। खास बात यह है कि यहां स्थानीय जनजातियां आज भी अपनी संस्कृति के साथ जीती हैं। उनके नृत्य, गीत और लोककला सैलानियों को मिर्जापुर की असली आत्मा से जोड़ते हैं।



लेखक- शिवेंद्र सिंह
बघेल

स्कूल के दिन याद आते ही झूम उठता मन

अमर स्मृतियां

स्कूल के दिन यह शीर्षक ही ऐसा है जिसे सुनते या पढ़ते ही मन रोमांच से भर उठता है। यह वो सुनहरे दिन थे जो जीवन की सबसे अमर स्मृतियों में गिने जाएंगे। केजी से लेकर 12वीं तक की कक्षाओं का समय मेरे जीवन का वह समय था जिसको याद करके मन खुशियों से भर जाता है और उन पलों को जीने की चाहत फिर से जाग उठती है। स्कूल की घंटी बजने से लेकर छुट्टी की घंटी बजने तक का समय कैसे बीत जाता था पता ही नहीं चलता था। उस समय मोबाइल का दौर नहीं था इसलिए दोस्तों से बात करने के लिए पूरे 1 दिन का इंतजार करना पड़ता था। लंच टाइम में टिफिन शेयर करना, तरह-तरह के खेल खेलना उसमें जीतने की खुशी और हारने पर मिलकर हौसला बढ़ाना, परीक्षा के दिनों का तनाव, उसके बाद छुट्टियों का उल्लास अभी भी याद आता है। उन दिनों ना तो जिम्मेदारियां का बोझ था बस परीक्षा में अच्छे अंकों से पास होने के अलावा और कोई चिंता न थी। विद्यालय का जीवन ही हमारी जीवन के विविध पहलुओं को दिशा देने वाला मंदिर भी है। विद्यार्थी जीवन बीते हुए बहुत समय हो गया हो, लेकिन आज के तकनीकी युग में सोशल मीडिया के द्वारा पुराने सब दोस्त फिर से मिल सके और पुरानी यादें ताजा हो पाई हैं। विद्यार्थी जीवन, जीवन का वह सोपान है जहां ज्ञान के साथ-साथ अनुशासन, मित्रता और संस्कारों की नींव रखी जाती है लेकिन साथ-साथ जो शरारतें और हंसी - मजाक कक्षा के बीच और बाद में होता था वह सबसे मनोरंजक पल होता था। शिक्षकों का नामकरण करना और किसी खास हावधार को चिन्हित करना बड़ा आनंद देता था। आज टीचर किस रंग की साड़ी पहन कर आएंगी इसकी शर्त लगाने का भी अपना अलग मजा था। कक्षा में टीचर द्वारा खास मुझे चैप्टर रीडिंग करवाना या फिर कौपीयां स्टाफ रूम में रखने के लिए कहना, टीचर के अनुपस्थित होने पर खास मुझे क्लास को देखने की जिम्मेदारी देना यह सब छोटी-छोटी बातें गर्व और हर्ष का विषय बनती थी और सोशल फील



लेखिका: डॉ. मनीषा

आत्मविश्वास, जज्बा और दूरदर्शिता सफल एंटरप्रेन्योर

सफलता की कहानी

रहे उद्धव

रहे उद्योगपति शिव कुमार अग्रवाल

- बाल-संघर्ष आर समस्याओं का सुलझाना अलजेब्रा हल करने जैसे

दोनों पुत्र भी स्थापित कर रहे कीर्तिमान

- शिवकुमार अग्रवाल के दोनों पुत्र अधिकेर एवं सौरभ भी उनके पदचिन्हों पर चल हैं। उन्होंने युवा उद्यमी के तौर पर अपनी एक अलग पहचान बनायी है। शिवकुमार द्वारा लगाये गये पौधे को वटवृक्ष के रूप में विकसित कर रहे हैं। उत्तराखण्ड राज्य अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल, अंध्र प्रदेश तक अपने व्यवसाय का विस्तार कर रहा है।

लकरतारोपकरण तुरु सस्ता का जान संजान बढ़ावद्वारा नाना नव फॉनानान स्थापित कर रहे हैं। वर्तमान में तीसरी पीढ़ी भी कधे से कधे मिलाने को तपर है।

कम 99 प्रतिशत सवाल हल कर लेता था। मुझे लगता है कि हम सभी की जिंदगी भी अलजेब्रा की तरह है। तमाम तरह के संघर्ष और समस्याओं को सुलझाना जिंदगी का अलजेब्रा हल करने जैसा ही है। मेरी तमन्ना एयरफोर्स में जाने की थी क्योंकि यह मझे रोमांचित करता था कई यूनिट्स लगाई। इस प्रक्रिया में मझे जो संघर्ष करना पड़ा, उसे मैं जरूरी और किसी भी कीमत पर सस्ता समझता हूं। मेरा मानना है कि अनुभव एक पूँजी की तरह है जो किसी भी तरह हासिल करना चाहिए। भले ही इसके लिए कभी नुकसान ही क्यों न उठाना पड़े। इससे परिपक्वता अलावा भी बहुत पूर्ण रहे हैं। चाहे वह किसके प्रति भी हों। मुझे लगता है कि इन गुणों के साथ अगर किसी काम के प्रति आपका डेडिकेशन है तो आपकी आईक्यू भी शाही होगी और आप कामयाबी की राह पर निश्चित रूप से हमेशा आगे बढ़ते रहेंगे

भरपूर आदर करना था।

14 साल की उम्र में हाईस्कूल पास किया। उस समय मातृभाषा होने के कारण अपनी हिन्दी को लेकर आत्मविश्वास था इसलिए उसे पढ़ा नहीं। उस समय के माहौल में अंग्रेजी पढ़ी नहीं गयी। हाँ, मेरे अलजेब्रा सबसे स्ट्रांग था और इसमें खूब मजा आता था। इसमें मैं हमेशा कम से

या क्याकि था मुझे रामायत करता था, लेकिन घर वाले मुझे एंटरप्रेन्योरशिप की राह पर आगे बढ़ने हुए देखना चाहते थे। आखिरकार मैंने सिर्फ 18 साल की उम्र में उद्यमिता की राह पर अपने कदम बढ़ा दिए। मैंने अकेले दम पर सबसे पहले खुद की राइस मिल लगाई और फिर मुझे पौछे मुँहकर देखने की नौबत नहीं आयी। इसके बाद मैंने एक-एक करके लगातार हो क्या न उठाना पड़ा। इससे पारपकवता आती है और आत्मविश्वास बढ़ता है। उद्यमिता की राह में मिलने वाले अनुभवों को मैंने पूरी तरह एंज्वाय किया। इससे मैं और ज्यादा निडर हुआ। मैंने अपनी अब तक की लाइफ में उत्तर-चहाव और नुकसान बहुत देखे हैं पर मेरा मानना है कि एंटरप्रिन्योरशिप की राह सोप-सीढ़ी के खेल जैसी है। कभी किसी निर्णय से

कि अभाव महसूस होने पर भी मैंने कभी समझौता नहीं किया। शायद यही कारण है कि इससे मिलने वाली ताकत के कारण ही मैं हमेशा कॉफिडेट रहता हूँ। इसके अलावा मेरे लिए सच्चाई और ईमानदारी भी बेहद महत्वपूर्ण रहे हैं। चाहे वह किसी के प्रति भी हों। मुझे लगता है कि इन गुणों के साथ अगर किसी काम के प्रति आपका डेढ़िकेशन है तो आपकी आईक्यू भी शा होगी और आप कामयाबी की राह पर निश्चित रूप से हमेशा आगे बढ़ते रहेंगे



नई दिल्ली। चांदी ने सितंबर में 19.4 ग्रामित की तीजे के साथ सोने की पीढ़ी छोड़ दिया, जबकि इस दौरान पीली धातु की कीमतें में 13 ग्रामित की पुढ़ि हुई है। चांदी की कीमतें दो सितंबर को 1,26,000 रुपये प्रति किलोग्राम थी। वह 24,500 रुपये बढ़कर 30 सितंबर को 1,50,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। वह हाल के वर्षों में सबसे ज्यादा मासिक वृद्धि में से एक है। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को चांदी 15,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बढ़ हुई।

बिजनेस ब्रीफ

एसीसी पर लगाया 23 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने एसीसी

लिपिड पर कुल 23.07 करोड़ रुपये

के दो अलग - अलग नोटों लगाए हैं।

अडाणी सूखी की बड़ी कंपनी अंतीमी

प्राविक्रिया के समक्ष इस जुर्माने

को दूरी दी रखी। आयकर विभाग ने

आकलन वर्ष 2015-16 के लिए कथित

तर एवं आय का गला विवरण प्रतुत

करने के लिए 14.22 करोड़ रुपये का

जुर्माना लगाया है। और आकलन वर्ष

2018-19 के लिए आय कम बताने के

मामले में 8.85 करोड़ रुपये का जुर्माना

लगाया गया है। एसीसी ने गुरुवार को

शेयर बाजार को दी

छह कंपनियों की लघु

रिएक्टर में रुद्धि

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज और

अडाणी पावर एक सम्पर्क कम कम 47

नियमी क्षेत्र की कंपनियों ने भारत लघु

मॉड्यूलर रिएक्टर (बीएसपीआर)

स्थापित करने में रुद्धि दिखाई है और

छह राज्यों में 16 सम्बादित स्थलों की

पहचान की है। जिन छह कंपनियों ने

भारतीय राज्यों का नियमित कार्यालय

लिमिटेड (एपीसीआईएल) के लघु मॉड्यूलर

रिएक्टर स्थापित करने के प्रस्ताव का

जवाब दिया है, उनमें जिंदल स्टील एंड

पावर, टाटा पावर, हिंडूलो इंडस्ट्रीज

और एसडब्ल्यू एनर्जी भी शामिल हैं।

एनपीसीआईएल ने कहा कि उपरोक्त

कंपनियों ने बीएसपीआर के लिए

सम्बादित स्थलों की भी फैलाने की है

और विभिन्न राज्यों में 16 स्थलों की

प्रारंभिक स्थल रिपोर्ट भी दी है।

अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक

पर 31.8 लाख जुर्माना

मुर्द्धा। रिजर्व बैंक (आरबीआई)

ने अमेरिकन एक्सप्रेस बैंक पर नियंत्रण

का पालन न करने के लिए 31 लाख

80 हजार रुपये का जुर्माना लगाया

है। कंट्रीट्री बैंक ने शुक्रवार को बताया

कि उसने अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग

कॉर्पोरेशन को केंटिंग कार्डधारकों को

रिफंड और विफला पर रिवर्ट ट्रॉनेशन

के प्राप्त बैलेंस उनके खातों में न देने का

दर्शी दिया है। यह मामला पिछले साल

नियमित जांच में सामने आया था। इसके

बाद बैंक को कारण बताए नोटिस

जारी कर पूछा गया था कि निरदेश का

पालन न करने के लिए क्यों न उस पर

जुर्माना लगाया जाये। नोटिस पर बैंक के

जावाह और बैंक पर सरत पर पुरावाई

के दोरान दिये गये पैमाने के बाद

आरबीआई ने बैंक पर जुर्माना लगाने का

आदेश दिया है।

शाह ने कहा कि भारत के दोरान लोगों को अधिकादान देते अमित शाह।

नई दिल्ली। चांदी ने सितंबर में 19.4 ग्रामित की तीजे के साथ सोने की पीढ़ी छोड़ दिया, जबकि इस दौरान पीली धातु की कीमतें में 13 ग्रामित की पुढ़ि हुई है। चांदी की कीमतें दो सितंबर को 1,26,000 रुपये प्रति किलोग्राम थी। वह 24,500 रुपये बढ़कर 30 सितंबर को 1,50,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बढ़ हुई।

राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को चांदी 15,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बढ़ हुई।

उछला

12

उछला

<p

वर्ल्ड ब्रीफ

समझौता कुबूल करे हमास या और ज्यादा हमलों के लिए तैयार रहे: ट्रंप

वार्षिकटन, एजेंसी

इटली में सड़क दुर्घटना में दो भारतीयों की मौत हो गई। इतली समावार एजेंसी एपएसए प्री की खबर के अनुसार, यह दुर्घटना ग्रासेटो में ऑपरेटिंग राजमार्ग पर उस ग्रासेटो में जब एपिशार्व एपर्टमेंटों को ले जा रही थी एवं दैन और एक मिनी बस के बीच टक्कर हो गई। खबर में बताया गया है कि इस घटना में बच्चे सहित पांच लोग घायल भी हुए हैं। अग्रिमशमन दल और ड्यूली पर तेनात अधिकारियों ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। इटली रिश्त भारतीय दूतावास ने बताया कि वह पीड़ितों के परिवारों और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। दूतावास ने बताया कि परिवारों को सहायता दी जा रही है।

हमास पर ऐसा कहर टूटेगा, जैसा

• अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमास को दिया रविवार शाम तक का वक्त

पहले कठीन नहीं देखा गया। पश्चिम एशिया में किसी न किसी तरह से शांति कायम की जाएगी।

ट्रंप ने इस हफ्ते की शुरुआत में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतृत्वाध के साथ हुई बातचीत के बाद गाजा पट्टी में युद्ध समाप्त करने का आहान करते हुए कहा कि दुनिया में इस समय ताव के बीच गांधी का शांति का सदेश नए सिरे से प्रासंगिक हो गया है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख का सदेश यहां के साथ दोनों ओर से बंधकों की

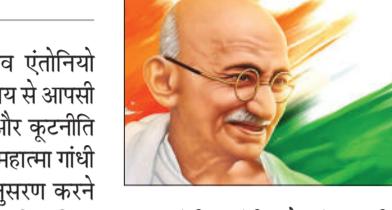
रिहाई प्रमुख बिंदु है। दुनिया के कई

देशों ने इस योजना को सराहना की

थी और शांति कायम करने के लिए

हमास से इसे स्वीकार करने का

आग्रह किया था।



था। गांधी जयंती को अंतरराष्ट्रीय अंहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने पश्चिम सदेश में कहा कि आज दुनिया हमारी साझा मानवता के चिंताजनक क्षण का गवाह बन रही है। इस अंतरराष्ट्रीय अंहिंसा दिवस पर हम महात्मा गांधी के जीवन एवं उनकी विरासत और सभी के लिए शांति, सत्य एवं सम्मान

गांधी के समानता और गरिमा के आदर्श गेट्स फाउंडेशन की नींव: बिल गेट्स सिएटल/न्यूयॉर्क। अंरपति परोपकारी बिल गेट्स ने कहा कि महात्मा गांधी के समानता और गरिमा के आदर्श गेट्स फाउंडेशन के कार्यों की नींव है। उन्होंने इस बात पर भी जरूर दिया कि भारत ने ऐसी अनेक पहल और समाजन विकास किए हैं, जो 'लोबल साउथ' में लाखों लोगों की जन बच सकते हैं और उनके जीवन को बेहतर बना सकते हैं। 'गोबल साउथ' शब्द का इस्रेमाल आम तौर पर आंधीक स्पष्ट से कम विकसित देशों को बेहतर बना सकता है। गेट्स फाउंडेशन में भारत के महाराष्ट्र दूतावास और गेट्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक विशेष समाजहांगी को संबोधित कर रहे हैं। यह कार्यक्रम महात्मा गांधी की 156वीं जयंती के अवसर पर भारतीय संस्कृति, कला और खानापन को प्रसरित करने के लिए आयोजित किया गया था।

जगह ले रही है, आप नागरिक खायियाजा भुगत रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय अंहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने पश्चिम सदेश में कहा कि आज दुनिया हमारी साझा मानवता के चिंताजनक क्षण का गवाह बन रही है। इस अंतरराष्ट्रीय अंहिंसा दिवस पर हम महात्मा गांधी के जीवन एवं उनकी विरासत और सभी के लिए शांति, सत्य एवं सम्मान के प्रति उनकी अटूट प्रतिवद्धा का समानता और गरिमा के आदर्श गेट्स फाउंडेशन की नींव है। उन्होंने इस बात पर भी जरूर दिया जाता है। गेट्स फाउंडेशन में भारत के महाराष्ट्र दूतावास के संबोधित करने के लिए आयोजित किया गया था।

जगह ले रही है, आप नागरिक खायियाजा भुगत रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय अंहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने पश्चिम सदेश में कहा कि आज दुनिया हमारी साझा मानवता के चिंताजनक क्षण का गवाह बन रही है। इस अंतरराष्ट्रीय अंहिंसा दिवस पर हम महात्मा गांधी के जीवन एवं उनकी विरासत और सभी के लिए शांति, सत्य एवं सम्मान के प्रति उनकी अटूट प्रतिवद्धा का समानता और गरिमा के आदर्श गेट्स फाउंडेशन की नींव है। उन्होंने इस बात पर भी जरूर दिया जाता है। गेट्स फाउंडेशन में भारत के महाराष्ट्र दूतावास के संबोधित करने के लिए आयोजित किया गया था।

जगह ले रही है, आप नागरिक खायियाजा भुगत रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय अंहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने पश्चिम सदेश में कहा कि आज दुनिया हमारी साझा मानवता के चिंताजनक क्षण का गवाह बन रही है। इस अंतरराष्ट्रीय अंहिंसा दिवस पर हम महात्मा गांधी के जीवन एवं उनकी विरासत और सभी के लिए शांति, सत्य एवं सम्मान के प्रति उनकी अटूट प्रतिवद्धा का समानता और गरिमा के आदर्श गेट्स फाउंडेशन की नींव है। उन्होंने इस बात पर भी जरूर दिया जाता है। गेट्स फाउंडेशन में भारत के महाराष्ट्र दूतावास के संबोधित करने के लिए आयोजित किया गया था।

जगह ले रही है, आप नागरिक खायियाजा भुगत रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय अंहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने पश्चिम सदेश में कहा कि आज दुनिया हमारी साझा मानवता के चिंताजनक क्षण का गवाह बन रही है। इस अंतरराष्ट्रीय अंहिंसा दिवस पर हम महात्मा गांधी के जीवन एवं उनकी विरासत और सभी के लिए शांति, सत्य एवं सम्मान के प्रति उनकी अटूट प्रतिवद्धा का समानता और गरिमा के आदर्श गेट्स फाउंडेशन की नींव है। उन्होंने इस बात पर भी जरूर दिया जाता है। गेट्स फाउंडेशन में भारत के महाराष्ट्र दूतावास के संबोधित करने के लिए आयोजित किया गया था।

जिसका सबसे खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड, वह दूसरों को दे रहा उपदेश

भारत ने यूएनएचआरसी में पाकिस्तान को फिर धोया, दुष्प्रचार को किया उजागर

संयुक्त राष्ट्र/जिनेवा, एजेंसी



इस्लामाबाद प्रेस क्लब में पत्रकारों की पिटाई की जांच का आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पत्रकारों ने राष्ट्रीय राजनीति स्थित एक प्रेस क्लब में पुलिस की कार्राई और पत्रकारों के साथ मारपीट के लिए संघीय सरकार की आलोचना की थी, वहीं गृह मंत्री मोहम्मद नकरी ने इस प्रेस क्लब की जांच के लिए दिया दिया गया। इसलामाबाद पुलिस ने बुधवार तारीका विवरण को जम्मू-कश्मीर सुनिश्चित आवामी प्रश्न के लिए दिया गया। यह तारीका विवरण की जांची जाएगी।

पीओजेके में गुस्साई भीड़ ने पुलिस की गाड़ियां फूंकी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा कि मानवाधिकार के मामले में दुनिया में सबसे खराब रिकॉर्ड वाले देशों में से एक को अपने ही समाज में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ राज्य प्रायोजित उत्पीड़न और व्यवस्थागत भेदभाव पर गैर करना चाहिए।

भारत के स्थाई मिशन के काउंसलर के एस मोहम्मद हूसैन ने जिनेवा में मानवाधिकार परिषद के 60वें सत्र के दीर्घार एक आम चर्चा के दीर्घार कहा, हमें यह बहेद विडंबनापूर्ण लिंगता है कि दुनिया में सबसे खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड वाले देशों के एक दुर्दशा के उदरेश देना चाहता है। हूसैन ने मंगलवार को कहा, भारत के खिलाफ मनावधार आरोपों के साथ इस प्रतिष्ठित मंच का दुरुपयोग करने की उनकी कोशिशों को खाली शर्त पर भी उपरान्त विवरण के लिए सहायता दी गई।

भारत ने किसी देश का नाम लिए बिना यह कहा, लेकिन उनका स्पष्ट इशारा पाकिस्तान की ओर था, था, निसके प्रतिनिधि ने भारत के सामने बोलते हुए कश्मीर मुद्रे को उदरेश देना चाहता है।

भारत ने किसी देश को बार-बार कहा है कि जम्मू-कश्मीर देश का अधिन्न अंग था, है और हमें रहेगा। हूसैन ने यह भी कहा कि भारत अपने लोगों का मानवाधिकार सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करता है।

और सतत विकास को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, हमें वीचीपीए के आलोचनों के प्रति अपनी जांची जाएगी।

भारत ने किसी देश को बार-बार कहा है कि जम्मू-कश्मीर देश का अधिन्न अंग था, है और हमें रहेगा। हूसैन ने यह भी कहा कि भारत अपने लोगों का मानवाधिकार सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करता है।

भारत ने किसी देश को बार-बार कहा है कि जम्मू-कश्मीर देश का अधिन्न अंग था, है और हमें रहेगा। हूसैन ने यह भी कहा कि भारत अपने लोगों का मानवाधिकार सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करता है।

भारत ने किसी देश को बार-बार कहा है कि जम्मू-कश्मीर देश का अधिन्न अंग था, है और हमें रहेगा। हूसैन ने यह भी कहा कि भारत अपने लोगों का मानवाधिकार सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास करता है।

भारत ने किसी देश को बार-बार कहा है कि जम्मू-कश्मीर देश का अधिन्न अंग था, है और हमें रहेगा। हूसैन ने यह भी कहा कि भारत अपने लोगों का मानवाधिकार सुनिश्चित करने के

